नोमा: एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

प्रिलिम्स के लिये:

उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग, **कैंक्रम ऑरिस, गैंग्रीनस स्टामाटाइटिस, नोमा**

मेन्स के लिये:

उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग, NTD के प्रभाव, NTD के लिये पहल

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने **नोमा (Noma)** संबंधी स्वास्थ्य चुनौती का समाधान करने तथा इसके रोकथाम एवं उपचार के लिये संसाधन आवंटित करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हुए इसे अपनी **उपेक्षित** उष्णकटिबंधीय रोगों (NTD) की सूची में जोड़ा है।

- नोमा, जिसे **कैंक्रम ऑरिस** अथवा **गैंग्रीनस स्टामाटाइटिस** के रूप में भी जाना जाता है, एक गंभीर गैंग्रीनस बीमारी है जो गरीब समुदायों में 3-10 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करती है।
    - गैंग्रीन एक **खतरनाक तथा संभावित रूप से घातक स्थिति** को दर्शाता है जो **ऊतक के एक बड़े क्षेत्र में रक्त के प्रवाह बंद होने से** होता है।

नोमा क्या है?

- **परिचय:**
    - नोमा, **ग्रीक** शब्द **"नोमे"** (Nomē) से लिया गया है जिसका अर्थ "भक्षण करना" है तथा यह **मुँह एवं मुख के गंभीर गैंग्रीन** के रूप में प्रकट होता है।
    - साक्ष्यों के अनुसार नोमा **मुँह में पाए जाने वाले बैक्टीरिया** के कारण होता है।
    - यह **गैर-संक्रामक रोग**, लगभग **90% की मृत्यु दर** के साथ कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण होती है तथा अत्यधिक गरीबी एवं कुपोषण में हाशिए पर रहने वाले बच्चों के लिये एक गंभीर खतरा पैदा करती है।
    - इसके **जोखिम कारकों** में अपर्याप्त मौखिक स्वच्छता, कुपोषण, कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली तथा गरीबी शामिल हैं।
- **भौगोलिक वितरण तथा ऐतिहासिक संदर्भ:**
    - नोमा विकासशील देशों, विशेषकर **उप-सहारा अफ्रीका** में प्रचलित है, जो **3-10 वर्ष की आयु के गरीब बच्चों** को प्रभावित करता है।
    - विगत डेटा से पता चलता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एकाग्रता शिविरों में **नोमा रोग** के मामलों की सूचना दी गई थी तथा **आर्थिक प्रगति के साथ पश्चिमी विश्व में** यह **समाप्त हो गई**, जो इसकी गरीबी के साथ इसके संबंध को दर्शाती है।
- **परिणाम और उपचार चुनौतियाँ:**
    - जीवित बचे लोगों को **मुख की विकृति, जबड़े की माँसपेशियों में ऐंठन, मौखिक असंयम तथा वाक् समस्याओं** जैसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है।
    - रोग का शीघ्र पता लगाना आवश्यक है तथा इस रोग के प्रारंभिक चरण में उपचार सबसे प्रभावी होता है।

उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारियाँ (NTDs) क्या हैं?

- NTD **उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में संक्रामक रोग हैं, जो गरीबी और खराब स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति** में पनपते हैं।
- वे विभिन्न प्रकार के **रोगजनकों**, जैसे– **वायरस, बैक्टीरिया, प्रोटोज़ोआ** और **परजीवी कीड़े** के कारण होते हैं।
- "उपेक्षित" शब्द कमज़ोर समुदायों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव के बावजूद ध्यान और **संसाधनों की कमी** को दर्शाता है।
- तपेदिक, एचआईवी-एड्स और **मलेरिया** जैसी बीमारियों की तुलना में इन बीमारियों पर आमतौर पर अनुसंधान तथा उपचार के लिये कम वित्तपोषण मिलता

है।

- एनटीडी के उदाहरण हैं: सर्पदंश का ज़हर, खुजली, जम्हाई, ट्रेकोमा, लीशमैनियासिस और चगास रोग आदि।

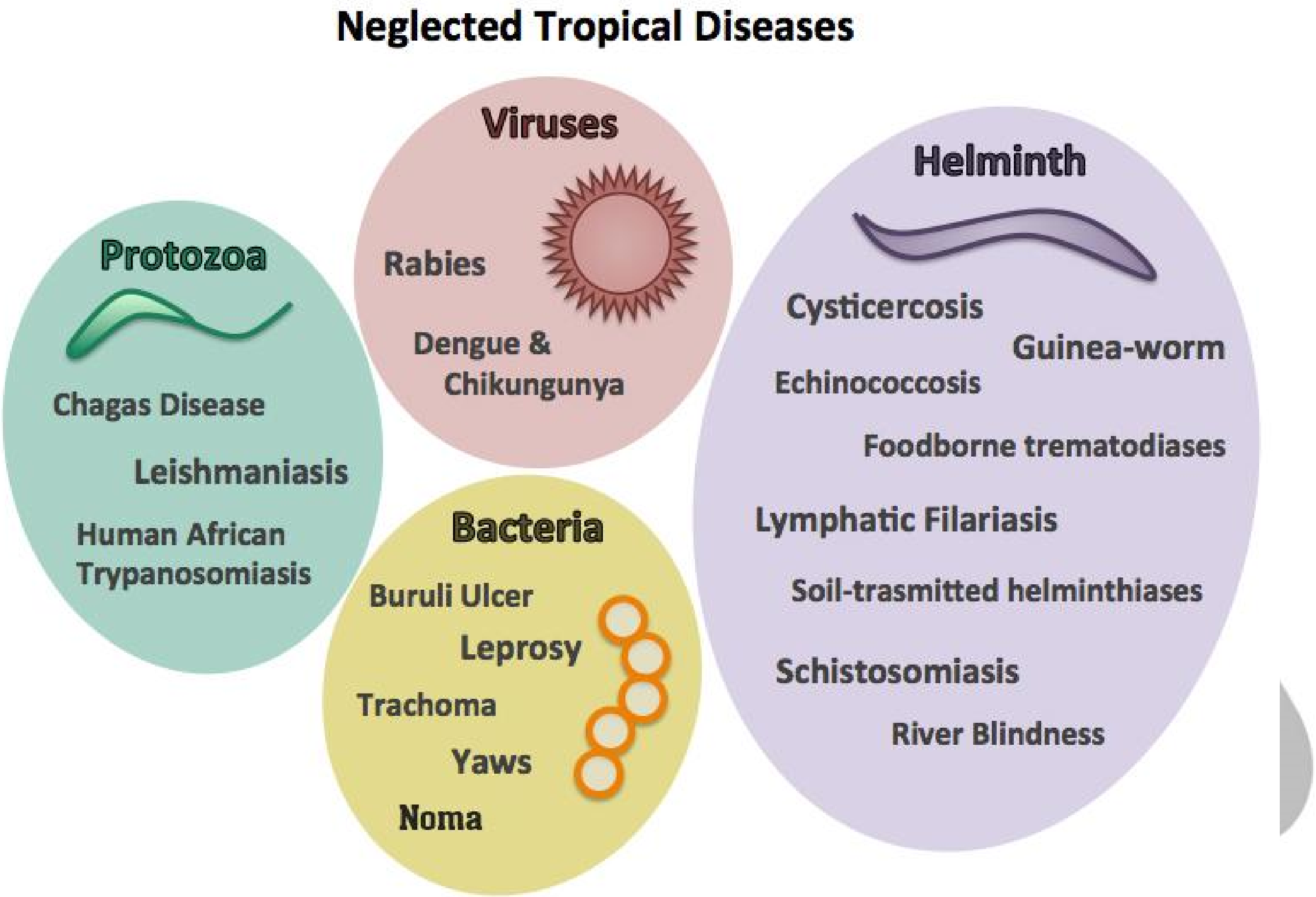

//

एनटीडी का प्रभाव:

- **वैश्विक परिदृश्य:**
  - एनटीडी वैश्विक स्तर पर **एक अरब से अधिक लोगों को प्रभावित** करता है। वे **रोकथाम और उपचार योग्य** हैं।
  - 20 एनटीडी हैं जो विश्व भर में 1.7 अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करते हैं।
- **भारतीय परिदृश्य**
  - इनमें से कम-से-कम 11 बीमारियों का सबसे बड़ा बोझ भारत पर है, जिनमें **काला अज़ार** और **लिम्फैटिक फाइलेरिया** जैसी परजीवी बीमारियाँ शामिल हैं, जो पूरे देश में लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं, जो अक्सर सबसे गरीब और सबसे कमज़ोर लोग होते हैं।
  - भारत **काला-अज़ार को खत्म करने के कगार पर** है, 99% काला-अज़ार स्थानिक ब्लॉकों ने उन्मूलन लक्ष्य हासिल कर लिया है।

एनटीडी के लिये पहल क्या हैं?

- **वैश्विक पहल:**
  - 2021-2030 के लिये WHO का नया रोडमैप:
    - यह संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों के संदर्भ में एनटीडी के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक प्रयासों को गति देने के लिये WHO का ब्लूप्रिंट है।
    - ब्लूप्रिंट प्रभाव को मापने और रोग-विशिष्ट योजना तथा प्रोग्रामिंग को बढ़ावा देने की सिफारिश करता है।
  - **NTDs पर लंदन उद्घोषणा**: इसे NTDs के वैश्विक भार को वहन करने के लिये 30 जनवरी, 2012 को अपनाया गया था।
- **भारतीय पहल:**
  - NDTs के उन्मूलन की दिशा में गहन प्रयासों के हिस्से के रूप में वर्ष 2018 में**लिम्फेटिक फाइलेरिया रोग के तीव्र उन्मूलन की कार्य-योजना' (APELF)** शुरू की गई थी।
  - वर्ष 2005 में **भारत, बांग्लादेश और नेपाल की सरकारों** द्वारा सबसे संवेदनशील आबादी के शीघ्र निदान तथा उपचार में तेज़ी लाने एवं रोग निगरानी में सुधार व कालाज़ार को नियंत्रित करने के लिये **WHO-समर्थित एक क्षेत्रीय गठबंधन** का गठन किया गया है।
    - भारत पहले ही कई अन्य **NDTs को समाप्त कर चुका** है, जिसमें **गिनी वर्म, ट्रेकोमा और यॉज़** शामिल हैं।
  - **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (Mass Drug Administration- MDA)** जैसे निवारक तरीकों का उपयोग समय-समय पर स्थानिक

क्षेत्रों में कयिा जाता है, जसिमें जोखमि वाले समुदायों को फाइलेरयिा रोधी (Anti-Filaria) दवाएँ मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

- **सैंडफ्लाई प्रजनन** को रोकने के लयि स्थानकि क्षेत्रों में घरेलू स्तर पर अवशषि्ट छड़िकाव जैसे **वेक्टर जनति रोकथाम** उपाय कयि जाते हैं।
- केंद्र और राज्य सरकारों ने **कालाज़ार (Kala-Azar) तथा इसकी अगली कड़ी (ऐसी स्थतिजो पछिली बीमारी या चोट का परणािम है)** से पीड़ति लोगों के लयि वेतन मुआवज़ा योजनाएँ (Wage Compensation Schemes) शुरू की हैं, जन्हिें पोस्ट-कालाज़ार डर्मल लीशमैनयिाससि (Post-Kala Azar Dermal Leishmaniasis) के रूप में भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/noma-as-a-neglected-tropical-disease